DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

हिन्दी साहित्य (पुरस्कार)

LIVE 30-05-2024 09:00 AM

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार

ज्ञानपीठ पुरस्कार – भारतीय ज्ञानपीठ श्री मती रमा जैन न्यास द्वारा भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। इसका गठन 22 मई 1961 को हुआ था। भारत का कोई भी नागरिक जो आठवीं अनुसूची में बताई गई 22 भाषाओं में से किसी भाषा में लिखता हो इस पुरस्कार के योग्य है। इस पुरस्कार में 2005 में 7 लाख रुपये तथा वर्तमान में 11 लाख रुपये की धनराशि, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा दी जाती है। 1982 तक यह पुरस्कार लेखक की किसी एक कृति के लिए दिया जाता था। लेकिन इसके बाद से यह लेखक के भारतीय साहित्य में संपूर्ण योगदान के लिए दिया जाने लगा। (भाषा - 22 + 1)

रचना	साहित्यकार	भाषा	वर्ष
ओटक्कुषल (बाँसुरी)	गोविन्द शंकर कुरुप	मलयालम	1965
गणदेवता	तारा शंकर बंद्योपाध्याय	बांग्ला	1966
निशीथ	उमा शंकर जोशी	गुजराती	1967
कन्नड़ कविता	कुप्पाली वेंकटप्पा पुट्टप्पा	कन्नड़	1968
चिदम्बरा	सुमित्रा नन्दन पंत	हिन्दी	1968
गुलेनग्मा	फिराक गोरखपुरी	उर्दू	1969
रामायण कल्पवरिक्षमु	विश्वनाथ सत्यनारायण	तेलुगू	1970

स्मृति शत्तो भविष्यत	बिष्णु डे	बांग्ला	1971
उर्वशी	रामधारी सिंह दिनकर	हिन्दी	1972
माटीमटाल	गोपीनाथ महान्ती	उड़िया	1973
ययाति	विष्णु सखाराम खांडेकर	मराठी	1974
प्रथम प्रतिश्रुति	आशापूर्णा देवी	बांग्ला	1976
कितनी नावों में कितनी बार	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	हिन्दी	1978
मृत्युंजय	विरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य	असमिया	1979
कागज ते कैनवास	अमृता प्रीतम	पंजाबी	1981

यामा	महादेवी वर्मा	हिन्दी	1982
गूँगे सुर बाँसुरी के	पन्नालाल पटेल	गुजराती	1985
सम्पूर्ण साहित्य	नरेश मेहता	हिन्दी	1992
सम्पूर्ण साहित्य	निर्मल वर्मा	हिन्दी	1999
ममोर धोरा तारोवल	इंदिरा गोस्वामी	असमिया	2000
गुजराती साहित्य	राजेंद्र केशवलाल शाह	गुजराती	2001
सम्पूर्ण साहित्य	कुंवर नारायण	हिन्दी	2005
सम्पूर्ण साहित्य	अमरकांत एवं श्रीलाल शुक्ल	हिन्दी	2009

सम्पूर्ण साहित्य	केदारनाथ सिंह	हिन्दी	2013
सम्पूर्ण साहित्य	कृष्णा सोबती	हिन्दी	2017
द शैडो लाइन्स	अमिताभ घोष	अंग्रेजी	2018
साहित्य क्षेत्र में	अक्कितम नंबूदरी	मलयालम	2019
साहित्य क्षेत्र में	नीलमणि फूकन	असमिया	2021
साहित्य क्षेत्र में	दामोदर मौउजो	कोंकणी	2022

नोट - 58 वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार 2023 के लिए संस्कृत विद्वान् जगद्गुरू रामभद्राचार्य एवं उर्दू कवि गुलज़ार को सम्मानित किया गया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

साहित्य अकादमी पुरस्कार – साहित्य अकादमी पुरस्कार सन् 1954 ई. से ही प्रदान किया जाता है। साहित्य अकादमी प्रतिवर्ष प्रमुख भाषाओं में से प्रत्येक में प्रकाशित सर्वोत्कृष्ट साहित्यिक कृति को पुरस्कार प्रदान करती है। वर्तमान समय में यह पुरस्कार 24 भाषाओं में प्रदान किया जा रहा है।

यह 22 भाषाओं के लिए + 2 भाषा (अंग्रेजी और राजस्थानी)

साहित्य अकादमी पुरस्कार में प्रत्येक विजेता को एक लाख रुपये, एक प्रशस्ति पत्र (ताम्रफलक) और शॉल दिये जाते हैं। पुरस्कार की स्थपाना

के समय पुरस्कार राशि 5,000 रुपये थी, जो सन् 1983 में बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दी गई, फिर सन् 1998 में बढ़ाकर इसे 25,000 रुपये कर दिया गया। सन् 2001 से यह राशि 40,000 रुपये की गई थी। सन् 2003 से यह राशि 50,000 रुपये की गई तथा सन् 2010 से यह राशि 1 लाख रुपये कर दी गई है।

रचना	साहित्यकार	वर्ष
हिमतरंगिनी (काव्य)	माखनलाल चतुर्वेदी	1955 ई.
पद्मावत : संजीवनी व्याख्या (व्याख्या)	वासुदेवशरण अग्रवाल	1956 ई.
बुद्ध धर्म दर्शन (दर्शन)	आचार्य नरेंद्र देव	1957 ई.
मध्य एशिया का इतिहास (इतिहास)	राहुल सांकृत्यायन	1958 ई.
संस्कृति के चार अध्याय (भारतीय संस्कृति)	रामधारी सिंह दिनकर	1959 ई.

कला और बूढ़ा चाँद (काव्य)	सुमित्रा नन्दन पंत	1960 ई.
भूले बिसरे चित्र (उपन्यास)	भगवतीचरण वर्मा	1961 ई.
प्रेमचंद : कलम का सिपाही (जीवनी)	अमृत राय	1963 ई.
आँगन के पार द्वार (काव्य)	अज्ञेय	1964 ई.
रस-सिद्धांत (विवेचना)	नगेन्द्र	1965 ई.
मुक्तिबोध (उपन्यास)	जैनेन्द्र कुमार	1966 ई.
अमृत और विष (उपन्यास)	अमृतलाल नागर	1967 ई.

दो चट्टानें (काव्य)	हरिवंश राय बच्चन	1968 ई.
रागदरबारी (उपन्यास)	श्रीलाल शुक्ल	1969 ई.
निराला की साहित्य साधना (जीवनी)	रामविलास शर्मा	1970 ई.
कविता के नए प्रतिमान (आलोचना)	नामवर सिंह	1971 ई.
बुनी हुई रस्सी (काव्य)	भवानी प्रसाद मिश्र	1972 ई.
आलोक पर्व (निबन्ध)	हजारी प्रसाद द्विवेदी	1973 ई.

मिट्टी की बारात (काव्य)	शिवमंगल सिंह सुमन	1974 ई.
तमस (उपन्यास)	भीष्म साहनी	1975 ई.
मेरी तेरी उसकी बात (उपन्यास)	यशपाल	1976 ई.
चुका भी हूँ नहीं मै (काव्य)	शमशेर बहादुर सिंह	1977 ई.
उतना वह सूरज है (काव्य)	भारत भूषण अग्रवाल	1978 ई.
कल सुनना मुझे (काव्य)	सुदाम पांडेय धूमिल	1979 ई.
जिन्दगीनामा -जिन्दा रुख (उपन्यास)	कृष्णा सोबती	1980 ई.

ताप के तापे हुए दिन (काव्य)	त्रिलोचन	1981 ई.
विकलांग श्रद्धा का दौर (व्यंग)	हरिशंकर परसाई	1982 ई.
खूँटियों पर टँगे लोग (काव्य)	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	1983 ई.
लोग भूल गए हैं (काव्य)	रघुवीर सहाय	1984 ई.
कव्वे और काली पानी (कहानी संग्रह)	निर्मल वर्मा	1985 ई.
अपूर्वा (काव्य)	केदारनाथ अग्रवाल	1986 ई.
अरण्या (काव्य)	नरेश मेहता	1988 ई.

अकाल में सारस (काव्य)	केदारनाथ सिंह	1989 ई.
नीला चाँद (उपन्यास)	शिव प्रसाद सिंह	1990 ई.
मैं वक्त के हूँ सामने (काव्य)	गिरिजाकुमार माथुर	1991 ई.
ढाई घर (उपन्यास)	गिरिराज किशोर	1992 ई.
अर्द्धनारीश्वर (उपन्यास)	विष्णु प्रभाकर	1993 ई.
कहीं नही वहीं (काव्य)	अशोक वाजपेयी	1994 ई.
कोई दूसरा नहीं (काव्य)	कुँवर नारायण	1995 ई.
मुझे चाँद चाहिए (उपन्यास)	सुरेन्द्र वर्मा	1996 ई.

अनुभव के आकाश में चाँद (काव्य)	लीलाधर जगूड़ी	1997 ई.
नए इलाके में (काव्य)	अरुण कमल	1998 ई.
दीवार में एक खिड़की रहती थी (उपन्यास)	विनोद कुमार शुक्ल	1999 ई.
हम जो देखते हैं (काव्य)	मंगलेश डबराल	2000 ई.
कलिकथा वाया बाईपास (उपन्यास)	अलका सरावगी	2001 ई.
दो पंक्तियों के बीच (काव्य)	राजेश जोशी	2002 ई.

कितने पाकिस्तान (उपन्यास)	कमलेश्वर	2003 ई.
दुष्चक्र में सृष्टा (काव्य)	वीरेन डंगवाल	2004 ई.
क्याप (उपन्यास)	मनोहर श्याम जोशी	2005 ई.
संशयात्मा (काव्य)	ज्ञानेन्द्रपति	2006 ई.
इन्हीं हथियारों से (उपन्यास)	अमरकान्त	2007 ई.
कोहरे में कैद रंग (उपन्यास)	गोविन्द मिश्र	2008 ई.
हवा में हस्ताक्षर (काव्य)	कैलाश वाजपेयी	2009 ई.
मोहन दास (कहानी)	उदय प्रकाश	2010 ई.

रेहन पर रग्घू (उपन्यास)	काशीनाथ सिंह	2011 ई.
पत्थर फेंक रहा हूँ (काव्य)	चंद्रकांत देवताले	2012 ई.
मिलजुल मन (उपन्यास)	मृदुला गर्ग	2013 ई.
विनायक (उपन्यास)	रमेश चन्द्र शाह	2014 ई.
आग की हंसी (काव्य)	रामदरश मिश्र	2015 ई.
पारिजात (उपन्यास)	नासिरा शर्मा	2016 ई.
विश्व मिथक सरित सागर (आलोचना)	रमेश कुंतल मेघ	2017 ई.

पोस्ट बॉक्स न. 203 – नाला सोपारा (उपन्यास)	चित्रा मुद्गल	2018 ई.
छीलते हुए अपने को (कविता)	नन्दकिशोर आचार्य	2019 ई.
टोकरी में दिगंत-थेरीगाथा:2014 (कविता)	अनामिका	2020 ई.
सम्राट अशोक (नाटक)	दया प्रकाश सिन्हा	2021 ई.
तुमड़ी के शब्द (कविता)	बद्री नारायण	2022 ई.
मुझे पहचानो (उपन्यास)	संजीव	2023 ई.